2022 11:07 PM Page 1

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 12 अंक : 193 कानपुर, शुक्रवार 14 जनवरी, 2022 नया संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

नवजात बछड़े को साफ सुथरी तथा हवादार जगह पर रखना चाहिए: डॉ शशिकांत

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने गाय भैंस के नवजात बच्चों की देखभाल एवं रखरखाव हेतु पशुपालकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार नवजात बछड़े-बछिया जन्म लेने के कुछ महीनों के अंदर मर जाते हैं जिससे पशुपालकों को नुकसान होता है। इसलिए अच्छी देखभाल करके एक अच्छी नस्ल और भैंस बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि नवजात बछड़े पैदा होते ही गाय भैंस अपने बच्चे को चाटती है और उसके शरीर पर चिपकी हुई झिल्ली व द्रव पदार्थ आदि साफ करती है यदि माता पशु साफ नहीं करती है तो आप स्वयं रुई की सहायता से भी उसके नाक, आंख व कान में लगी गंदगी को साफ कर दें। डॉ शशि कांत ने बताया कि नवजात बछड़े को पैदा होते ही उसकी नाभि को नाभि सूत्र से 5 से 6 इंच की दूरी पर गर्म लोहे से काट कर अलग कर देना चाहिए। और कटे हुए भाग के ऊपर से 5 से 6 सेंटीमीटर की दूरी पर कपड़े की पट्टी से बांध देना चाहिए तथा टिंचर आयोडीन सोल्यूशन उसके नाभि पर लगाया चाहिए। उन्होंने बताया कि नवजात बछड़े को साफ-सुथरी तथा हवादार जगह पर रखना चाहिए जहां पर उचित मात्रा में रोशनी आ रही हो वह स्थान नम, गंदा और सीलन भरा नहीं होना चाहिए। उन्होंने पशुपालकों को सलाह दी है कि नवजात बच्चों को ठंडी हवा से या खराब मौसम से बचाना चाहिए बछड़े को रखने वाली जगह पर मोटी पुआल बिछा देना चाहिए। साथ ही वजन के अनुसार बछड़ों को की पर्याप्त मात्रा में खीस पिलाना चाहिए नवजात बछड़े को पैदा होने के दो-तीन घंटे के अंदर खिलाना लाभदायक होता है दूध की मात्रा बच्चे की वजन का 1/10 होना चाहिए। उन्होंने यह भी सलाह दी है कि बछड़ों को पैदा होने के 18 से 20 दिन बाद थोड़ा-थोड़ा हरा चारा खिलाना शुरू कर देना चाहिए ताकि उनकी खाने की आदत डी जाए। इसके अतिरिक्त बच्चों को 15 दिन से लेकर 45 दिन के अंदर उनका मौल रोपण कराया देना चाहिए। बछड़ों को अंतः परजीवी और बाह्य परजीवी से बचाव करना चाहिए। इसके लिए बच्चों को कृमि नाशक दवा देना चाहिए। यदि पशुपालक भाई इन बातों का ध्यान रखेंगे तो गाय भैंस के नवजात बछड़े स्वस्थ और तंदुरुस्त रहेंगे।

समस्याओं को लेकर शिक्षक संघ की बैठक में हुई चर्चा

बांदा। जनिमन शाहजहांपुर शिक्षक संघ मंडल चित्रकूटधाम की बैठक संगठनक शिवकुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला संगठनक रफाकत हुसैन के आवास स्थित कैंप कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में जनपद चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में शिक्षकों की समस्याओं, चयन वेतनमान, अवशेष देयक आदि के संबंध में सकारात्मक निस्तारित कराने के लिए चर्चा की गई। संगठन का सभी जनपदों में विस्तार एवं निर्वाचन के संबंध में भी चर्चा की गई। जनपद चित्रकूट के संगठनक जैनुल आबदीन को प्रदेश कार्यकारिणी में सम्मिलित किए जाने पर उनका पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। बैठक में मण्डलीय पदाधिकारी विश्वबंधु पटेल सह संगठनक, सैयद नसीमुल हक सह संगठनक, जनपदीय पदाधिकारियों में जनपद चित्रकूट से जैनुल आबदीन संगठनक, हर्ष त्रिपाठी सह संगठनक, रफाकत हुसैन खां संगठनक, सुधीर बाबू दीक्षित सह संगठनक, जनपद हमीरपुर से उदय प्रताप सिंह संगठनक, इंतजाम सलमानी सह संगठनक, जनपद महोबा से हरिराम द्विवेदी संगठनक महिला सीमा प्रकाश यादव, सलाउद्दीन, श्यामनारायणपाल, धरमपाल सिंह, रामप्रकाश त्रिपाठी, नीरज उपाध्याय, अमित सेंगर आदि शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:12 | अंक:359 | देहरादून, गुरुवार, 13 जनवरी, 2022 | पृष्ठ:08

गाय-भैंस के नवजात बच्चों की देखभाल एवं रखरखाव अति आवश्यक

वर्ष 16 अंक 14 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, शुक्रवार 14 जनवरी 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रकाशित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

गाय-भैंस के नवजात बच्चों की देखभाल एवं रखरखाव हेतु एडवाइजरी जारी

लोकनायक भारत

सचित्र, जागृत

नई दिल्ली संस्करण वर्ष 01, अंक - 12 | मंगलवार, 11 जनवरी 2022 | पृष्ठ 12 | मूल्य 2.00

नवजात बछड़े को साफ सुथरी तथा हवादार जगह पर रखना चाहिए: डॉ शशिकांत